विक्रमशिला सेतु पर तीन जगह होगा बेली ब्रिज का निर्माण

- पहला ब्रिज के क्षतिग्रस्त हिस्से पर, दूसरा भागलपुर और तीसरा नवगछिया की तरफ बनेगा
- सेतु के क्षतिग्रस्त क्षेत्र में ड्रिलिंग कर अलकतरा-गिट्टी हटाने व समतलीकरण का काम शुरू

क्षतिग्रस्त विक्रमशिला सेतु के बारे बार्डर रोड्स आर्गेनाइजेशन के अभियंता विपिन कुमार चंद से जानकारी लेते पथ निर्माण विभाग मंत्री मंत्री ई शैलेंद्र व अन्य • जागरण

जागरण संवाददाता, भागलपुर : भागलपुर में विक्रमशिला सेतु के दो अन्य स्लैब भी कमजोर हो चुके हैं। लिहाजा, पुल पर एक नहीं तीन जगह बेली ब्रिज का निर्माण होगा। पहला बेली ब्रिज क्षतिग्रस्त हिस्से पर 34 मीटर का, दूसरा उत्तर दिशा में (नवगछिया की ओर) स्लैब पर 12 मीटर का और तीसरा क्षतिग्रस्त स्लैब के दक्षिण दिशा (भागलपुर की ओर) में कमजोर हुए स्लैब पर 24 मीटर का बनेगा। बीआरओ के अधिकारी और पुल का निरीक्षण करने पहुंचे पथ निर्माण मंत्री शैलेंद्र ने यह जानकारी दी। मालूम हो कि तीन मई की रात विक्रमशिला सेतु के 34 मीटर का स्लैब टूटकर गंगा नदी में गिर गया था। इसके झटके से पिलर संख्या 2, 3 व 4 के स्लैब पर भी असर पड़ा है। सेतु के क्षतिग्रस्त क्षेत्र में ड्रिलिंग कर अलकतरा-गिट्टी हटाने व समतलीकरण का काम शुरू कर दिया गया है। बेली ब्रिज बनाने के लिए नौ ट्रक उपकरण पहुंच चुके हैं। आखिरी खेप शुक्रवार तक पहुंच जाएगी। बार्डर रोड्स आर्गेनाइजेशन (बीआरओ) के सुपरिटेंडिंग इंजीनियर विपिन कुमार चंद के नेतृत्व में 100 सदस्यीय टीम काम में लगी हुई है।

पथ निर्माण मंत्री कुमार शैलेंद्र गुरुवार को विक्रमशिला सेतु के निचले हिस्से का जायजा लेते हुए बरारी पुल घाट पहुंचे। बीआरओ के पदाधिकारियों से बातचीत की। मंत्री ने सेतु पर तीन स्थानों पर बेली ब्रिज बनाने को कहा। कहा कि पहला बेली ब्रिज जहां पर बन रहा है, उसके आगे-पीछे के हिस्से को तोड़कर भी बेली ब्रिज बनाना पड़ेगा। सर्वप्रथम, पहला बेली ब्रिज बनाकर उस पर आवागमन शुरू करने की आवश्यकता है। इसके बाद बाकी दोनों बेली ब्रिज की कवायद की जाएगी। बीआरओ के अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार से नवगछिया की तरफ से भी काम शुरू करा दिया जाएगा। इस माह तक बेली ब्रिज पूरा कर लिया जाएगा।

एनएच 333 ए पर धंसी पुलिया, बड़े वाहनों की आवाजाही पर रोक

जासं, जमुई : राष्ट्रीय राजमार्ग 333 ए पर घोरपारन जंगल के समीप एक पुलिया गुरुवार को धंस गई। इससे सिमुलतला का जिला और प्रखंड मुख्यालय से संपर्क पूरी तरह बाधित हो गया। इस होकर बड़े वाहनों का परिचालन झारखंड तक होता था। विक्रमशिला सेतु के क्षतिग्रस्त होने के बाद लोग मुंगेर होकर बांका के बाद इसी पुलिया के सहारे झारखंड जाते थे। अब इन्हें लगभग 80-90 किलोमीटर का अतिरिक्त सफर करना होगा। जिला मुख्यालय जमुई की दूरी भी 45 से 50 किलोमीटर बढ़ गई। सिमुलतला के आसपास के क्षेत्रों के लिए यह पुलिया लाइफलाइन थी।